भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2750

सोमवार, 9 मार्च, 2026/18 फाल्गुन, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

बौद्ध पर्यटन का संवर्धन

†2750. श्री जगदम्बिका पालः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने सिद्धार्थनगर जिले के पिपरवा जैसे बौद्ध धर्म के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थलों में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बढ़ाने के लिए कोई कदम उठाए हैं;

(ख) यदि हां, तो ऐसी पहलों का ब्यौरा क्या है, साथ ही प्रचार कार्यक्रमों, सोशल मीडिया प्रचार और अवसंरचनात्मक विकास का ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान सिद्धार्थनगर जिले में आने वाले घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों की विशिष्ट आंकड़ों सहित कुल संख्या कितनी है;

(घ) क्या सरकार ने नेपाल के लुम्बिनी और भारत के सिद्धार्थनगर जैसे बौद्ध धर्म के सांस्कृतिक और विरासत स्थलों के बीच सीमा पार पर्यटन बढ़ाने के लिए नेपाल के साथ संपर्क और सहयोग सहित कोई उपाय किए हैं;

(ङ) क्या सरकार ने भूटान, श्रीलंका, थाईलैंड आदि जैसे साझा विरासत वाले देशों में बौद्ध तीर्थयात्रा और पर्यटन का संवर्धन करने के लिए कदम उठाए हैं; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): पर्यटन मंत्रालय अपने प्रचार संबंधी कार्यक्रमों, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में यात्रा प्रदर्शनियों और मेलों में भागीदारी, परिचायक (एफएएम) दौरे, इन्फ़्लुएन्सर कार्यक्रम, मेलों और महोत्सवों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को सहायता, वेबसाइट, सोशल मीडिया हैंडल आदि जैसे विभिन्न पहलों के माध्यम से नियमित रूप से बौद्ध स्थलों सहित भारत के विविध पर्यटन स्थलों का संवर्धन करता है और पर्यटकों के अनुभवों को बेहतर बनाता है।

इसके अलावा, मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन, तीर्थस्थल कायाकल्प एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद), केंद्रीय एजेंसियों को सहायता (एसीए), चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) और पूंजी निवेश के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) नामक योजनाओं के तहत बौद्ध पर्यटन स्थलों सहित देश में पर्यटन अवसंरचना और सुविधाओं को विकसित करने के लिए कई परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

(ग): पिछले पांच वर्षों के दौरान सिद्धार्थनगर जिले में पर्यटक आगमन का विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	**डीटीवी**	**एफटीवी**	**कुल**
2025 (अनंतिम)	195941	23341	219282
2024	100595	17546	118141
2023	392516	11797	404313
2022	222289	109	222398
2021	370975	90	371065
कुल	**12,82,316**	**52,883**	**13,35,199**

*डीटीवी - घरेलू पर्यटक यात्राएं / एफटीवी- विदेशी पर्यटक यात्राएं

(घ) से (च): सरकार ने बिहार और उत्तर प्रदेश सहित देश में बौद्ध सांस्कृतिक और विरासत स्थलों के बीच कनेक्टिविटी (सड़क, हवाई और रेल कनेक्टिविटी) में सुधार के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नेपाल में लुंबिनी एनएच-233 के माध्यम से भारत में सिद्धार्थनगर से जुड़ा हुआ है। रेल मंत्रालय बोधगया, राजगीर, नालंदा, सारनाथ, कुशीनगर, लुंबिनी और श्रावस्ती को कवर करने वाली विषय आधारित पर्यटक परिपथ संबंधी ट्रेनों का भी संचालन करता है।

पर्यटन मंत्रालय, बौद्ध पर्यटन सहित पर्यटन को बढ़ावा देने पर फोकस करते हुए अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन सहयोग के फ्रेमवर्क के तहत पड़ोसी देशों, जैसे- नेपाल, भूटान, श्रीलंका और थाईलैंड के साथ नियमित रूप से संपर्क में रहता है।

******